

Ref/سہ ماہی SPM-098

Date/تاریخ 07-06-2025

हज मुस्लिमानों के आपसी भाईचारे और इस्लाम में एक खुदा की इबादत का वास्तविक उदाहरण है

मुस्लिम जमाअत अहमदिया भारत द्वारा देश वासीयों को ईद की हार्दिक शुभकामनाएँ

कादियां ज़िला गुरदासपुर 7 जून 2025

हज इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक स्तंभ है। हर वह मुसलमान जो ताक़त रखता हो उस पर अपने जीवन में एक बार हज बैत-उल्लाह करना फर्ज़ है। यह ईद कुबानी की ईद के नाम से भी जानी जाती है। हज़रत इब्राहीम अलैहिस्सलाम और उनकी पत्नी हज़रत हाजरा और बेटे हज़रत इस्माईल अलैहिस्सलाम की कुबानी की याद में हम कुबानी की ईद मनाते हैं और हज अदा करते हैं।

पवित्र कुरान हमें बताता है कि ज़ाहरी कुबानी का गोशत और उसका खून अल्लाह तआला तक नहीं पहुँचता बल्कि कुबानी करने वाले की नीयत और मानवजाती से की गई सहानुभूति के लिये उसके जज़बात का इज़हार अल्लाह तआला तक पहुँचता है।

यह ईद, हज का फजर् अदा करना और जानवरों की कुर्बानियां देना मात्र ज़ाहरी कुर्बानियां नहीं हैं बल्कि यह एक बहुत बड़े उद्देश्य की ओर ध्यान दिलाती है। और वह उद्देश्य अल्लाह तआला का हक्क अदा करना और उसकी मख़लूक का हक्क अदा करना है। तथा यही वह हक हैं जिन्हें स्थापित करने के लिये खुदा ने ज़ाहरी कुबानी का आदेश दिया है। कुबानी की यह रूह हज़रत मुहम्मद मुस्तफ़ा सल्लल्लाहो अलैही वसल्लम से माध्यम से उच्च स्तर पर पहुँची कि अल्लाह के हक अदा करने के साथ उसके बंदे के हक अदा करने के लिये आपने अपना तन, मन, धन न्यौछावर कर दिया।

विश्वव्यापी अहमदिया मुस्लिम समुदाय के पाँचवे खलीफा, हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद साहिब (अय्यदहुल्लाहु तआला बिनसरिहिल अज़ीज़) फ़रमाते हैं:

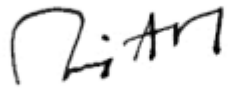
"असल चीज़ तक्रवा (धार्मिकता) अपनाता है, और यही चीज़ अल्लाह तक पहुंचती है। कुर्बानियों का गोشت और खून अल्लाह तक नहीं पहुंचते; असल चीज़ कुर्बानी की रूह (भावना) है।"

ईद-उल-अज़हा के इन पवित्र दिनों में मुस्लिमान यह प्रण करते हैं कि जिस प्रकार हम ने ज़ाहरी कुबानी की है वैसे ही हम अल्लाह के हक अदा करने और मानवता से हमर्दी के लिये हर प्रकार की कुबानी देने के लिये तैयार रहेंगे।

ईद के इस अवसर पर अहमदिया मुस्लिम जमाअत भारत का यही संदेश है कि हम अपनी ख़्वाहिशों को कुर्बान करके, बिना किसी धार्मिक भेदभाव के दूसरों के हक अदा करने को अपना फज़्र समझ लें। तभी ईद मनाने का हमारा वास्तविक उद्देश्य पूर्ण होगा।

क्रादियान दारुल अमन में ईद-उल-अज़हा के मुबारक मौके पर पड़ोसियों ने भी अपने मुसलमान भाइयों को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और नेक तमन्नाओं का इज़हार किया।

अल्लाह से दुआ है कि वह इस ईद को समस्त मुस्लिमानों के लिये मुबारक करे और हमें अल्लाह तआला के हक अदा करने के साथ उसके बंदों के हक अदा करने की शक्ति प्रदान करता चला जाए। आमीन



Tariq Ahmad K

Incharge Press & Media,

Ahmadiyya Muslim Jama'at India.